भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2614
जिसका उत्तर मंगलवार, 09 जुलाई, 2019 को दिया जाना है

एचएमटी, रानीबाग का पुनरुद्धार

2614. श्री अजय भट्ट:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तराखंड के रानीबाग, हल्द्वानी में हिंदुस्तान मशीन टूल्स (एचएमटी) कारखाना की स्थापना कब की गई थी और इसकी शुरुआत के समय कारखाने में नियुक्त कर्मचारियों की संख्या क्या थी;

(ख) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि उपरोक्त एचएमटी कारखाने को बंद कर दिया गया है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार का उन कामगारों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कोई कार्रवाई करने का विचार है और हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का इस निर्णय से प्रभावित लोगों को उचित मुआवजा प्रदान करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का उक्त भूमि जो काफी बड़े क्षेत्र में फैली हुई है, पर किसी अन्य उपक्रम की स्थापना के माध्यम से इस इकाई को पुनर्जीवित करने के लिए प्रयास करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री
(श्री अरविंद गणपत सावंत)

(क) से (ङ): एचएमटी वाचिज लिमिटेड की रानीबाग फैक्टरी को कुल 986 कर्मचारियों के साथ दिनांक 12.11.1982 को स्थापित किया गया था। यह कंपनी वर्ष 1993 से लगातार घाटे में चल रही है और अपने कर्मचारियों के वेतन के लिए आवश्यक निधि जुटाने में भी असमर्थ रही है। इसलिए, दिनांक 06.01.2016 को आर्थिक मामलों संबंधी मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) ने एचएमटी वाचिज लिमिटेड को बंद किए जाने के प्रस्ताव को अनुमोदित किया।

सीसीईए के निर्णय के अनुसरण में, वीआरएस/वीएसएस का विकल्प चुनने वाले कर्मचारियों को वर्ष 2007 के वेतनमान के अनुसार कंपनी के कर्मचारियों को आकर्षक वीआरएस/वीएसएस प्रदान कर रानीबाग की वाच फैक्टरी सहित एचएमटी वाचिज को बंद कर दिया गया है। शेष कर्मचारियों को छटनी मुआवजे का भुगतान करने के बाद कार्य मुक्त कर दिया गया है।

चूंकि कंपनी पहले से ही बंद है, किसी अन्य उपक्रम को स्थापित करने का प्रश्न नहीं उठता।

*****